

# देश में आइआइएम रायपुर का 11वां स्थान

## एनआइआरएफ रैंकिंग-2023 • चिकित्सा संस्थानों में एम्स को 39वां रैंक

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के शिक्षण संस्थानों की एनआइआरएफ (नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) ने रैंकिंग-2023 जारी की है। इसमें प्रबंध संस्थानों में आइआइएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) रायपुर ने 11वां रैंक हासिल किया है। चिकित्सा संस्थानों में एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) रायपुर ने 39वां रैंक हासिल किया है। वहीं पहली बार एनआइआरएफ रैंकिंग में शामिल होने वाला आइआइटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) भिलाई को 81वां रैंक मिला है।

बता दें वर्ष-2022 में आइआइएम 14वें पायदान पर था, ऐसे में एक वर्ष में यह तीन रैंक आगे बढ़ा है। इसी तरह एम्स वर्ष-2022 में 49वें रैंक से 10 रैंक छलांग लगाते हुए 39वें रैंक पर पहुंच चुका है। वहीं एनआइटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) रायपुर पिछले वर्ष-2022 में 65वें रैंक की तुलना में पांच अंक पिछड़ते हुए 70वें रैंक पर पहुंच चुका है।

प्रदेश के किसी भी राष्ट्रीय स्तर के संस्थान टॉप-10 में जगह नहीं बनाई है। फार्मोसी संस्थानों की कैटेगरी में गुरुघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर को देशभर में 43वां रैंक प्राप्त किया है। वहीं डेंटल, विधि व कालेज की कैटेगरी में प्रदेश के एक भी संस्थान 100 में भी जगह नहीं बना पाए।

प्रदेश के विश्वविद्यालय और कालेज पिछड़े : एनआइआरएफ की रैंकिंग ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कालेजों की शिक्षण गुणवत्ता की पोल खोलकर रख दी है। प्रदेश का एक भी विश्वविद्यालय या कालेज एनआइआरएफ रैंकिंग में प्रमुख 100 संस्थानों में भी जगह नहीं बना पाया। रैंक बैंड में 151 से 200 की कैटेगरी में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर को शामिल

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने जारी की रिपोर्ट, प्रदेश के विश्वविद्यालय और महाविद्यालय पिछड़े, खुली शिक्षा गुणवत्ता की पोल



आइआइएम रायपुर। • फाइल फोटो



अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर। • फाइल फोटो

किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर यह रैंक आना भी आसान नहीं है। बेहतर परिणाम के लिए निरंतर प्रयास जारी है।

एनआइआरएफ रैंकिंग को जानें : देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को मापने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय एनआइआरएफ रैंकिंग जारी करता है। इसमें संस्थानों में शिक्षा, शोध, फंडिंग व उसके उपयोग, मानव संसाधन व उपयोगिता, संस्थान के बारे में समाज की धारणा समेत अन्य बिंदुओं के आधार पर रैंक जारी करता है।

### प्रदेश के प्रमुख संस्थानों का वर्षवार रैंक

संस्थान	2022	2023
आइआइएम	14	11
एम्स	49	39
एनआइटी	65	70

### संस्थानों को मिले स्कोर

संस्थान	प्राप्त स्कोर
आइआइएम	66.18
एम्स	53.92
एनआइटी	47.69
आइआइटी	45.86

देशभर में 11वां स्थान हासिल करना गर्व का विषय है। हमने



यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। यह मान्यता संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और छात्र परिणामों के प्रति अटूट समर्पण की प्रतिष्ठा है। आने वाले समय में हम टॉप-10 में स्थान हासिल करेंगे।

प्रो. रामकुमार काकानी  
निदेशक, आइआइएम रायपुर

एनआइआरएफ रैंकिंग में आइआइटी भिलाई पहली बार शामिल हुआ। देश



के उत्कृष्ट इंजीनियरिंग संस्थानों व सभी नए आइआइटी से आगे निकलकर हमने उपलब्धि हासिल की है। परसेप्शन पर हम खरे नहीं उतरे, जिसके अंक कटे, नहीं तो स्थिति बेहतर होती। आगे निश्चित ही आइआइटी भिलाई और बेहतर करेंगे।

प्रो. राजीव प्रकाश  
निदेशक, आइआइटी भिलाई

एम्स द्वारा शोध और अनुसंधान के साथ राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों आइआइटी,



आइआइएम व एनआइटी के साथ संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। शिक्षकों के पेटेंट और शोधपत्र भी लगातार बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर एम्स विशिष्ट पहचान स्थापित करने में सफल हुआ है।

प्रो. नितिन एम नागरकर  
निदेशक, एम्स रायपुर